



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 122]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 8, 2012/वैशाख 18, 1934

No. 122]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 8, 2012/VAISAKHA 18, 1934

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/155/08/डीसी/26/2009.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री गुलशन कुमार (सदस्यता सं. 013988), चार्टर्ड एकाउंटेंट, एच-61, गोविंद मैनशन, कनॉट सर्कस, पहला तल, नई दिल्ली 110 001, को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) और दूसरी अनुसूची के भाग 2 के खंड (1) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक और अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री गुलशन कुमार को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री गुलशन कुमार का नाम तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री गुलशन कुमार (सदस्यता सं. 013988) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA**NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/155/08/DC/26/2009.—In terms of the provisions of Section 21B (3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Gulshan Kumar, (M.No.013988) , Chartered Accountant, H-61, Gobind Mansion, Connaught Circus, 1st Floor, New Delhi 110 001**, has been found guilty of 'Professional and Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of First Schedule and Clause (1) of Part II of the Second Schedule, to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B (3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Gulshan Kumar. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Gulshan Kumar, be removed from the Register of Members for a period of three (3) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Gulshan Kumar, (M.No.013988)**, shall stand removed from the Register of Members for a period of three (3) months with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/1/एस/आईएनएफ/09/डीसी/44/2009.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री वी. श्रीनिवासू (सदस्यता सं. 023461), चार्टर्ड एकाउंटेंट, साईश्री निवास, एच.नं. 2-62/ए, ब्लॉक एन/5, रोड नं. 3, काकतीय नगर, हब्सीगुड़ा, हैदराबाद - 500 007, को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (7) के साथ पठित दूसरी अनुसूची के भाग 2 के खंड (1) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी और साथ ही उक्त अधिनियम की धारा 22 के साथ पठित धारा 21 के अधीन पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' का भी दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री वी. श्रीनिवासू को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री वी. श्रीनिवासू का नाम स्थायी रूप से सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 5,00,000/- रुपये (पांच लाख रुपये) का जुर्माना अधिरोपित किया गया था जिसका संदाय अभी तक नहीं किया गया है। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री वी. श्रीनिवासू (सदस्यता सं. 023461) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से स्थायी रूप से सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/1/S/INF/09/DC/44/2009.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri V. Srinivasu (M.No.023461), Chartered Accountant, Saisri Nivas, H.No. 2-62/A, Block N/5, Road No. 3, Kakatiya Nagar, Habsiguda, Hyderabad - 500 007 has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (1) of Part II of the Second Schedule read with Clause (7) of Part I of the Second Schedule and 'Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule under

Section 21 read with Section 22 of the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of Provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri V. Srinivasu. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri V. Srinivasu be removed from the Register of Members permanently and also imposed a fine of Rs.5 lac (five lac) upon him which does not stand paid. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri V. Srinivasu, (M.No.023461)** shall stand removed from the Register of Members Permanently with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/78/08/डीसी/48/2009.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री ओम प्रकाश प्रजापति (सदस्यता सं.403829), चार्टर्ड एकाउंटेंट, 7, अटल काम्प्लेक्स, पहला तल, मेन रोड, झाबुआ - 457 661, को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री ओम प्रकाश प्रजापति को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री ओम प्रकाश प्रजापति का नाम तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री ओम प्रकाश प्रजापति (सदस्यता सं.403829) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/78/08/DC/48/2009.—In terms of the provisions of Section 21B (3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Om Prakash Prajapati, (M.No. 403829), Chartered Accountant, 7, Atal Complex, 1st Floor, Main Road, Jhabua - 457 661,** has been found guilty of 'Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of First Schedule, to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B (3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Om Prakash Prajapati. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Om Prakash Prajapati, be removed from the Register of Members for a period of Three (3) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Om Prakash Prajapati, (M.No.403829), shall stand removed from the Register of Members for a period of Three (3) months with effect from 8th May, 2012.**

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/183/08/डीसी/52/2009.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, मैसर्स वी. कन्नन एंड एसोसिएट्स के श्री **वैकटरमण कन्नन (सदस्यता सं. 035880) चार्टर्ड एकाउंटेंट, ए/603, सॉईनाथ पार्क, गवनपाड़ा, मुलुंद (पू.), मुंबई - 400 081,** को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (10) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री **वैकटरमण कन्नन** को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त

165467/12-2

अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री वेंकटरमण कन्नन का नाम दो (2) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 50,000/- रुपए (पचास हजार रुपए) का जुर्माना अधिरोपित किया गया था जिसका संदाय कर दिया गया है। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री वेंकटरमण कन्नन (सदस्यता सं. 035880) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से दो (2) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/183/08/DC/52/2009.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Venkataraman Kannan (M.No.035880) of M/s V. Kannan & Associates, Chartered Accountants, A/603, Sainath Park, Gavanpada, Mulund (E), Mumbai- 400 081**, has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (10) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of Provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Venkataraman Kannan. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Venkataraman Kannan be removed from the Register of Members for a period of two (2) years and also imposed a fine of Rs.50,000/- (fifty thousand only) upon him which stands paid. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Venkataraman Kannan, (M.No.035880)**, shall stand removed from the Register of Members for a period of two (2) years with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/136/09/डीसी/86/2010.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री अमर नाथ (सदस्यता सं. 089725), अमर जैन एंड कं., चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, एससीएफ 38/6, गांधी नगर, बैंक ऑफ इंडिया बिल्डिंग के सामने, ज़िंद - 126 102, को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (8) और खंड (9), दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (7), खंड (8) और खंड (9) तथा दूसरी अनुसूची के भाग 2 के खंड (1) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री अमर नाथ को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री अमर नाथ का नाम एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री अमर नाथ (सदस्यता सं. 089725) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/136/09/DC/86/2010.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Amar Nath, (M.No.089725), Amar Jain & Co., Chartered Accountants, SCF 38/6, Gandhi Nagar, Opp. Bank of India Building, Jind- 126 102**, has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clauses (8) & (9) of Part I of the First Schedule, Clauses (7), (8) & (9) of Part I of the Second Schedule and Clause (1) of Part II of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Amar Nath. Accordingly, the Committee,

has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Amar Nath, be removed from the Register of Members for a period of one (1) year. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Amar Nath, (M.No.089725), shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) year with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/190/08/डीसी/96/2010.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री सूर्य प्रकाश जलान (सदस्यता सं. 088548) चार्टर्ड एकाउंटेंट, यू-203, तीसरा तल, विकास मार्ग, शकरपुर, दिल्ली - 110 092 को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' और पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री सूर्य प्रकाश जलान को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री सूर्य प्रकाश जलान का नाम तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री सूर्य प्रकाश जलान (सदस्यता सं. 088548) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/190/08/DC/96/2010.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Surya Prakash Jalan (M.No.088548), Chartered Accountant, U- 203, 3rd Floor, Vikas Marg, Shakarpur, DELHI – 110 092**, has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (11) of Part I of First Schedule and also guilty of 'Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Surya Prakash Jalan. Accordingly, the Committee, has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Surya Prakash Jalan be removed from the Register of Members for a period of Three (3) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Surya Prakash Jalan, (M.No. 088548), shall stand removed from the Register of Members for a period of Three (3) months with effect from 8th May, 2012.**

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/20/08/बीओडी/02/08.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 14 के उपनियम (9) के साथ पठित धारा 21क (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री प्रवीण आनंद सिंह (सदस्यता सं. 071413), चार्टर्ड एकाउंटेंट, बाराहदरी मैदागीन, पेद्रोल पंप के पास, वाराणसी - 221 001, को संस्थान की अनुशासन बोर्ड द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (9) के अर्थान्तर्गत आने वाले "वृत्तिक कदाचार" का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 15 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21क(3) के उपबंधों के

16544712-3

निबंधनानुसार, अनुशासन बोर्ड ने उक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था । तदनुसार बोर्ड ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह का नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए । इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह (सदस्यता सं. 071413) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा ।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/20/08/BOD/02/08.—In terms of the provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (9) of Rule 14 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Praveen Anand Singh (Membership No. 071413) Chartered Accountant, Barahdari Maidagin, Near Petrol Pump, Varanasi – 221 001** has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (9) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949, [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Board of Discipline of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (1) of Rule 15 of the aforesaid Rules, the Board of Discipline afforded an opportunity of hearing to the said Shri Praveen Anand Singh. Accordingly, the Board of Discipline has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21A of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Praveen Anand Singh be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Praveen Anand Singh (Membership No. 071413) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012.**

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/46/08/बीओडी/03/08.— चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 14 के उपनियम (9) के साथ पठित धारा 21क (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री महेन जयवंत ढोलम (सदस्यता सं. 103770), चार्टर्ड एकाउंटेंट, 124, हीरामनी सुपर मार्केट, डा. एस एस राव रोड, लालबाग, मुंबई 400 012, को संस्थान की अनुशासन बोर्ड द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 15 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21क (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन बोर्ड ने उक्त श्री महेन जयवंत ढोलम को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार बोर्ड ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री महेन जयवंत ढोलम का नाम सात (7) दिन की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री महेन जयवंत ढोलम (सदस्यता सं. 103770) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से सात (7) दिन की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/46/08/BOD/03/08.—In terms of the provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (9) of Rule 14 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Mahen Jayawant Dholam (Membership No. 103770) Chartered Accountant, 124, Hiramani Super Market, Dr. S S Rao Road, Lalbaug, Mumbai 400 012** has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (11) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949, [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Board of Discipline of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (1) of Rule 15 of the aforesaid Rules, the Board of Discipline, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Mahen Jayawant Dholam. Accordingly, the Board of Discipline has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21A of the aforesaid Act

ordered that the name of aforesaid Shri Mahen Jayawant Dholam be removed from the Register of Members for a period of seven (7) days. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Mahen Jayawant Dholam** (Membership No. 103770) shall stand removed from the Register of Members for a period of seven (7) days with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012.

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/28/08/बीओडी/10/09.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 14 के उपनियम (9) के साथ पठित धारा 21क (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री प्रवीण आनंद सिंह (सदस्यता सं. 071413), चार्टर्ड एकाउंटेंट, बाराहदरी मैदागीन, पेट्रोल पंप के पास, वाराणसी - 221 001, को संस्थान की अनुशासन बोर्ड द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (8) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 15 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21क(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन बोर्ड ने उक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार बोर्ड ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह का नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री प्रवीण आनंद सिंह (सदस्यता सं. 071413) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा और इस प्रकार हटाए जाने की अवधि मामला सं.डीडी/20/08/बीओडी/02/08 में उन्हें दिए गए पूर्ववर्ती दंड के साथ चलेगी।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/28/08/BOD/10/09.—In terms of the provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (9) of Rule 14 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Praveen Anand Singh (Membership No. 071413) Chartered Accountant, Barahdari Maidagin, Near Petrol Pump, Varanasi - 221 001** has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (8) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949, [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Board of Discipline of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21(3) read with sub-rule (1) of Rule 15 of the aforesaid Rules, the Board of Discipline afforded an opportunity of hearing to the said Shri Praveen Anand Singh. Accordingly, the Board of Discipline has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21A of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Praveen Anand Singh be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Praveen Anand Singh (Membership No. 071413)** shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012 and such period of removal shall run concurrently with the earlier punishment awarded in Case No. **DD/20/08/BOD/02/08.**

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Ext./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/161/09/बीओडी/44/10.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 14 के उपनियम (9) के साथ पठित धारा 21क (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, **श्री नवीन चौधरी (सदस्यता सं. 083596), चार्टर्ड एकाउंटेंट, सीयर्स बिल्डिंग, ए-23, सेक्टर- III, नोएडा 201 301** को संस्थान की अनुशासन बोर्ड द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के

1654 9/7/12-4

नियम 15 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21क(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार अनुशासन बोर्ड ने उक्त श्री नवीन चौधरी को सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। तदनुसार बोर्ड ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया है कि पूर्वोक्त श्री नवीन चौधरी का नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री नवीन चौधरी (सदस्यता सं. 083596) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. DD/161/09/BOD/44/10.—In terms of the provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (9) of Rule 14 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri Naveen Chaudhary (Membership No. 083596) Chartered Accountant, Seers Building, A-23, Sector – III, Noida 201 301** has been found guilty of 'Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949, [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Board of Discipline of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21A(3) read with sub-rule (1) of Rule 15 of the aforesaid Rules, the Board of Discipline, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Naveen Chaudhary. Accordingly, the Board of Discipline, has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21A of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Naveen Chaudhary be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Naveen Chaudhary (Membership No. 083596) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012.**

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Ext'y./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(54)/1991.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 (3) के उपबंधों के निबंधानुसार श्री कमल कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं. 072870), चार्टर्ड एकाउंटेंट, कमला कॉम्प्लेक्स, एसबीआई के ऊपर, पश्चिमी कचहरी मार्ग, मेरठ - 250001 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (8) के अर्थान्तर्गत 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, श्री कमल कुमार अग्रवाल को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री कमल कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं. 072870) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(54)/1991.—In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949,

Shri Kamal Kumar Aggarwal (Membership No.072870) Chartered Accountant, Kamla Complex, Above S B I Western Kutchery Road, Meerut – 250 001 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (8) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording a prior opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said **Shri Kamal Kumar Aggarwal**, has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Kamal Kumar Aggarwal (Membership No.072870)** shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

16544712-5

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(75)/1993.— चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री विनोद कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं. 082548), चार्टर्ड एकाउंटेंट, ए-63, जूपीटर टावर्स, बी/एच ग्रेड भगवती, बोदक देव, अहमदाबाद - 380 054 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) के अर्थान्तर्गत 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात् संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, श्री विनोद कुमार अग्रवाल को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री विनोद कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं. 082548) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(75)/1993.—In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949 Shri Vinod Kumar Agrawal (Membership No.082548) Chartered Accountant, A-63, Jupiter Towers, B/H Grand Bhagwati, Bodak Dev, Ahmedabad - 380 054 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (11) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri Vinod Kumar Agrawal, has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of three (3) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Vinod Kumar Agrawal (Membership No.082548) shall stand removed from the Register of Members for a period of three (3) months with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty/104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(85)/2003.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 (3) के उपबंधों के निबन्धानुसार श्री चेतनकुमार चुनीलाल दोशी (सदस्यता सं. 043593), चार्टर्ड एकाउंटेंट, कार्यालय सं. 211, 33, दरियास्थान स्ट्रीट, पंजाब नेशनल बैंक के ऊपर, मस्जिद बंडर वेस्ट, मुंबई 400 003 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (9) के अर्थान्तर्गत 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, श्री चेतनकुमार चुनीलाल दोशी को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री चेतनकुमार चुनीलाल दोशी (सदस्यता सं. 043593) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(85)/2003.—In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949, Shri Chetankumar Chunilal Doshi (Membership No. 043593) Chartered Accountant, Office No. 211, 33, Dariyasthan Street, Above Punjab National Bank, Masjid Bunder West, Mumbai 400 003 has been, found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (9) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording a prior opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri Chetankumar Chunilal Doshi, has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Chetankumar Chunilal Doshi (Membership No. 043593) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(153)/2005.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 (3) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री सुबीर कुमार चक्रवर्ती (सदस्यता सं. 050800), चार्टर्ड एकाउंटेंट, 1, बिपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, तीसरा तल, कोलकत्ता - 700 012 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (9) के अर्थान्तर्गत 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, श्री सुबीर कुमार चक्रवर्ती को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री सुबीर कुमार चक्रवर्ती (सदस्यता सं. 050800) का नाम तारीख 8 मई, 2012 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असाधारण/104/12]

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2012

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(153)/2005.—In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949, Shri Subir Kumar Chakraborty (Membership No.050800) Chartered Accountant, 1, Bipin Bihari Ganguly Street, 3rd Floor, Kolkata – 700 012 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (9) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording a prior opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri Subir Kumar Chakraborty, has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Subir Kumar Chakraborty (Membership No.050800) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 8th May, 2012.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/12]